"उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध का हिन्दी साहित्य और हिन्दू पुनरूत्थानवाद"

(एम० फिल०के उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबन्ध)

शोध-निर्देशक

प्रो० नामवर सिंह

शोध-छात्र

आर० ए० संजीव

भारतीय भाषा केन्द्र

भाषा संस्थान

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय

नई दिल्ली - 110067

1989

अनुक्रम
=====

पृष्ठ संख्या

प्रस्तावना — अ - इ

प्रथम अध्याय : हिन्दू पुनरुत्थानवाद के उदय की पृष्ठभूमि — 1 - 29

(क) यूरोपीय प्राच्यविद्याविद् और हिन्दू पुनरुत्थानवाद
(ख) 1857 की प्रतिक्रिया और अंग्रेजी शासन की भेद-नीति
(ग) हिन्दू सुधारवादी संगठन और आन्दोलन
(घ) मुस्लिम सुधारवादी संगठन और उनकी प्रतिक्रिया

द्वितीय अध्याय : भारतेंदु हरिश्चंद्र की रचनाओं में हिन्दू पुनरुत्थानवाद के तत्व — 30 - 57

तृतीय अध्याय : भारतेंदु-मंडल के प्रमुख लेखकों की रचनाओं में हिन्दू पुनरुत्थानवाद के तत्व — 58 - 89

चतुर्थ अध्याय : नागरी आंदोलन और हिन्दू पुनरुत्थानवाद — 90 - 105

उपसंहार : पुनरुत्थानवाद विरोधी प्रवृत्तियों के संदर्भ में पुनरुत्थानवाद का मूल्यांकन — 106 - 113

परिशिष्ट — 114 - 118